प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

किसानों को आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रति चेताया वैज्ञानिकों ने

विश्वविद्यालय के पादप रोग वैज्ञानिकों ने किसानों को आलू के पछेती झुलसा रोग के आने की संभावना के प्रति सचेत किया कि अखिल भारतीय समन्वित आलू शोध परियोजना, भारतीय मौसम विभाग एवं विश्वविद्यालय द्वारा आलू के पछेती झुलसा रोग के पूर्वानुमान हेतु विकसित इंडोब्लाइटीकास्ट मॉडल से आगामी कुछ दिनों में पंतनगर एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप की संभावना व्यक्त की है।

विश्वविद्यालय में चल रही आलू पर अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना की परियोजना समन्वयक, डा. शैलबाला शर्मा, ने कृषकों को सलाह दी कि पछेती झुलसा रोग के सुरक्षात्मक छिड़काव के रूप में मैन्कोजेब 72 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण की 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। डा. शर्मा ने बताया कि यदि आलू में पछेती झुलसा रोग के शुरूआती लक्षण दिखायी दे तो साइमोक्जेनिल + मैन्कोजेब अथवा डाइमिथोमार्फ + मैन्कोजेब अथवा फेनामिडान + मैन्कोजेब के सम्मिश्रण का 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर अतिशीघ्र सुरक्षात्मक छिड़काव करना चाहिए। झुलसा रोग की तीव्रता एवं प्रसार बढ़ने की दशा में किसान उपयुक्त में से किसी एक सम्मिश्रण का 10 दिन के अन्तराल में छिड़काव करे। उपरोक्त उपचार से पर्याप्त सुरक्षा न मिलने की स्थिति में किसानों को आवश्यकता पड़ने पर प्रथम छिड़काव हेतु संस्तुत किये गये रसायन (मैन्कोजैब) का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से 10 से 15 दिन के अन्तराल पर पुनः छिड़काव करना चाहिए, ताकि रोग का नियंत्रण किया जा सके।